आधुनिक भारत का इतिहास

1707 - 1947

यूरोपीय कंपनी का आगमन

➡ यूरोपियो ने भारत ही क्यों आया ?

➡ क्या इस से पहले यूरोप का व्यापार नही होता था जो दूसरा रास्ता खोजना पड़ा ?

➡ किसने भेजा था वास्कोडिगामा को भारत खोज पे ?

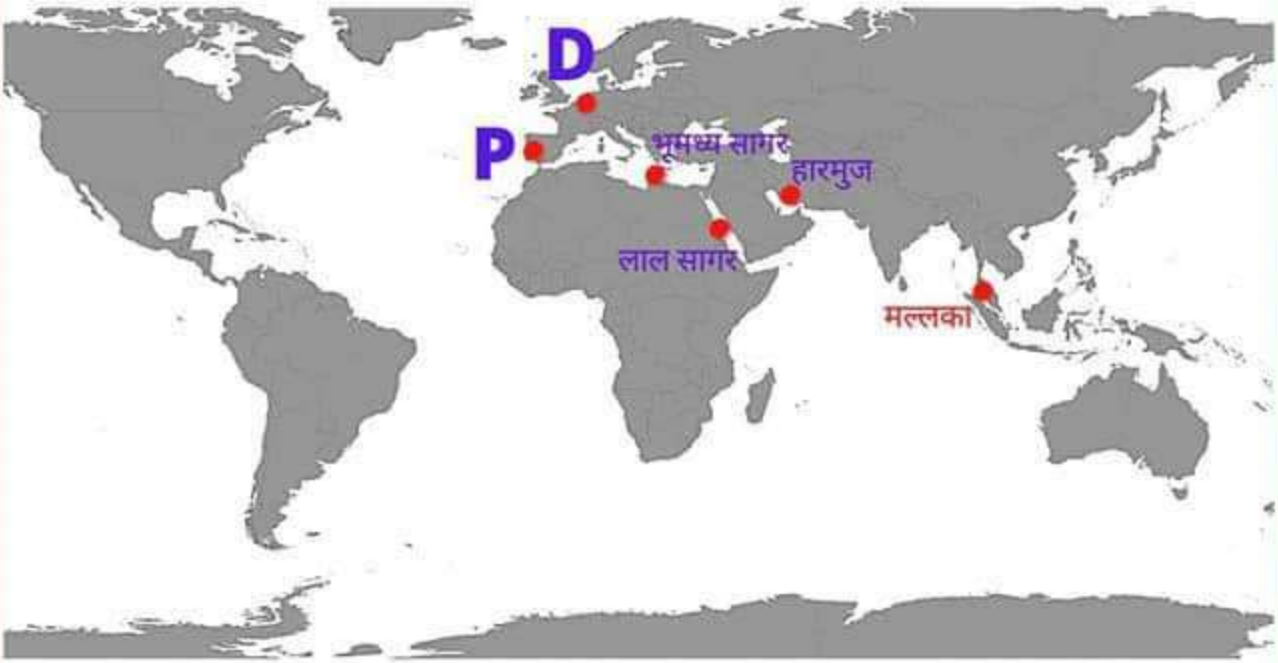

- कोलम्बस (स्पेन) जो की निकला था भारत की खोज पे लेकिन **1492** में अमेरिका की खोज कर ली

- बार्थालोम्योडियाज (पुर्तग़ाली) **1487** में अफ्रीका के उतमाशा अंतरीप तक पहुंचा।

आधुनिक भारत का इतिहास

1707 - 1947

यूरोपीय कंपनी का आगमन

☑ **यूरोपीय का आने का क्रम**

पुर्तगाली ➡ डच ➡ ब्रिटिश ➡ डेनिस ➡ फ्रांसीसी

पुर्तगाली

➡ यूरोपियों में सबसे पहले आया और सबसे बाद में गया

➡ प्रथम पुर्तगाली का आगमन - वास्कोडिगामा *1498*

➡ द्वितीय पुर्तगाली का आगमन - पेड्रो अल्ब्रेज केब्रल *1500*

➡ प्रथम पुर्तगाली वयसराय - फ्रांसिस्को डी अलमिडा

➡ वास्कोडिगामा की दूसरी भारत आगमन - 1502

➡ पहली फैक्ट्री की स्थापना - 1503 कोचीन

वास्कोडिगामा

➡ वास्कोडिगामा को पुर्तग़ाल शासक प्रिंस हेनरी ने भेजा था।

➡ प्रथम पुर्तगाली जो भारत आया था

➡ पुर्तगाल के लिस्बन से निकलकर अफ्रीका के उत्तमाशा अंतरीप होते हुए भारत मे केरल के कालीकट बंदरगाह पर कप्पकडाबु नामक स्थान पर **20** मई **1498** को पहुंचा था।

➡ भारत आने में वास्कोडिगामा को अब्दुल मजीद नामक गुजराती पथ प्रदर्शक ने सहायता की थी

➡ कालीकट के तत्कालीन शासक जमोरिन ने वास्कोडिगामा का स्वागत किया था

➡ वास्कोडिगामा ने भारतीय मसालों को लेकर पुर्तगाल लौटने पर पूरी यात्रा खर्च निकालने के बाद भी **60** गुना अधिक मूल्य प्राप्त हुआ था

➡ वास्कोडिगामा 1502 में पुनः भारत की यात्रा पर आया थ

फ्रांसिस्को डी अलमिडा
1505 - 1509

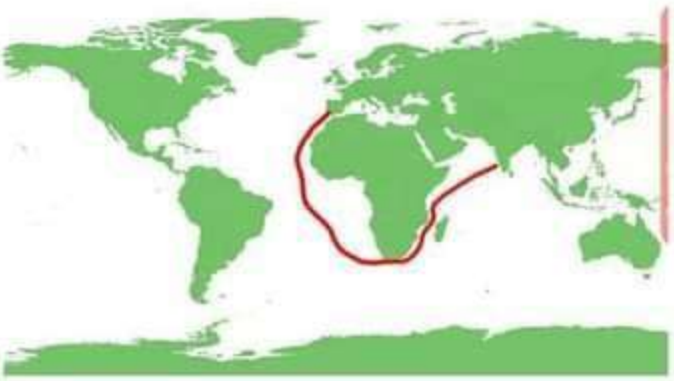

➡ प्रथम पुर्तग़ाली गवर्नर

➡ उद्देश्य - हिंद महासागर पर पुर्तगालियों का नियंत्रण स्थापित

➡ **Blue water policy** (शांत जल नीति) अपनाई ।

▶ पुर्तग़ाली **-Vs-** नौसेना बेड़ा
(गुजरात + मिस्र सेना + तुर्की सेना)

1508 - चौल का युद्ध - पुर्तग़ाली पराजित
1509-- पुर्तग़ाली विजय

अल्फांसो डी अल्बुकर्क
1509 - 1515

सेंट जेवियर चर्च

➡ पुर्तग़ाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक

➡ कोचिन को राजधानी बनाया

➡ **1510** में गोवा को बीजापुर के आदिलशाह से गोवा छीना ।

➡ **1515** में प्रथम चर्च का निर्माण गोवा में करवाया
नाम- सेंट जेवियर चर्च

➡ **1511** में गोवा
1511 में मलक्का
1515 में हारमुज
} पर कब्जा

➡ सती प्रथा पर रोक लगायी

➡ भारतीय स्त्रियों से शादी के लिए प्रोत्साहित किया

➡ ' कार्टज अर्मेडा काफिला ' नीति अपनाई

इसके द्वारा कोई भी भारतीय या अरबी जहाज पुर्तगाली अधिकारियों से परमिट के बिना अरब सागर में प्रवेश नहीं करन.. सकता था इसके लिए शुल्क देना पड़ता था

नीनो डी कुन्हा
1529 -1538

➡ **1530** में राजधानी को कोचिंम से गोवा ले गया

➡ दीव को **1535**
दमन को **1559**
} पर कब्जा

➡ **18** दिसंबर **1961** को गोवा , दमन , दीव की मुक्ति के लिए पुर्तगालियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई ।

➡ **12** वें संविधान संशोधन के तहत गोवा दमन व दीव को भारत का अभिन्न अंग बनाया गया

भारत में पुर्तगालियों की योगदान

➡ प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत ➡ यांत्रिक घड़ी की शुरुआत

फसल की शुरूआत

- तंबाकू
- काजू
- आलू
- मक्का
- पपीता
- मूंगफली
- अनानास
- संतरा
- लाल मिर्च की खेती की शुरुआत

MISSION IASPCS

https://t.me/iaspcsexam

- पुर्तगाली कंपनी का नाम एस्तादो द इंडिया था
- पुर्तगालियों ने मसालों के व्यापार पर ज्यादा महत्व दिया था

- पुर्तगालियों ने मुंबई पर भी कब्जा किया था ,पुर्तगाल के राजा ने अपने बेटी कैथरीन की शादी इंग्लैंड के राजा चार्ल्स द्वितीय से **1661** में करा कर मुम्बई को दहेज में दे दिया था फिर मुम्बई को चार्ल्स द्वितीय ने **1668**में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को **10** पाउंड वार्षिक किराया पे दे दिया।

डच / हालैंड / नीदरलैंड

➡ डच **1595 - 96** में पहले इंडोनेशिया पहुचा उसके बाद भारत आया

➡ डच नीदरलैंड हॉलैंड के निवासी थे

➡ प्रथम डच यात्री कार्नेलियस हाउट मैन था

➡ डच ने **1602** में कंपनी की स्थापना की ।
नाम - यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी ऑफ नीदरलैंड

कंपनी का मूल नाम

VOC -(Vereenigde Post Indische Compatible)

➡ प्रथम डच फैक्ट्री - मसूलीपट्टम **(1605)**

➡ द्वितीय डच फैक्ट्री - पुलिकट **(1610)**

- पुलिकट को मुख्यालय बनाया और सोने के सिक्के को ढाला जिसे पैगोडा कहा।

- **1595** कार्नेलियस का आगमन
- **1602** कंपनी की स्थापना
- **1605** मसूलिपटनम आंध्र प्रदेश में पहली कोठी
- **1610** कालीकट में दूसरी कोठी
- **1613** जकार्ता को पुर्तगाली से जीत बेटीनिया नामक शहर बशाय
- **1616** सूरत में कारखाना स्थापित
- **1641** पुर्तगाल को हराकर मलक्का पर कब्जा
- **1658** पुर्तगाल को हराकर श्रीलंका के सिलोन पर कब्जा
- **1663** पुर्तग़ाल को हराकर कोचिन पर अधिकार

➡ इसके अलावा अन्य कारखाने स्थापित किये थे जहां से व्यापार करते थे

➡ जिसमे चिनसुरा , कासिम बाजार , पटना , बालासोर गोलकुंडा , नागपट्टनम मुख्य थे

➡ डचों ने मसालों के स्थान पर भारतीय कपड़ों के निर्यात को अधिक महत्व दिया

➡ भारतीय वस्त्र के निर्यात का श्रेय डच को दिया जाता है

- औरंगजेब ने डचों को **33.5%** वार्षिक चुंगी पर बंगाल ,बिहार ,उड़ीसा में व्यापार करने का अधिकार दिया था

- **1759** की वेदरा बंगाल के युद्ध में अंग्रेज ने डचों को पराजित किया जिससे भारत डचों की शक्ति समाप्त हो गई

आधुनिक भारत का इतिहास

1707 - 1947

यूरोपीय कंपनी का आगमन

☑ यूरोपीय का आने का क्रम **P D B D F**

पुर्तगाली ➡ डच ➡ ब्रिटिश ➡ डेनिस ➡ फ्रांसीसी

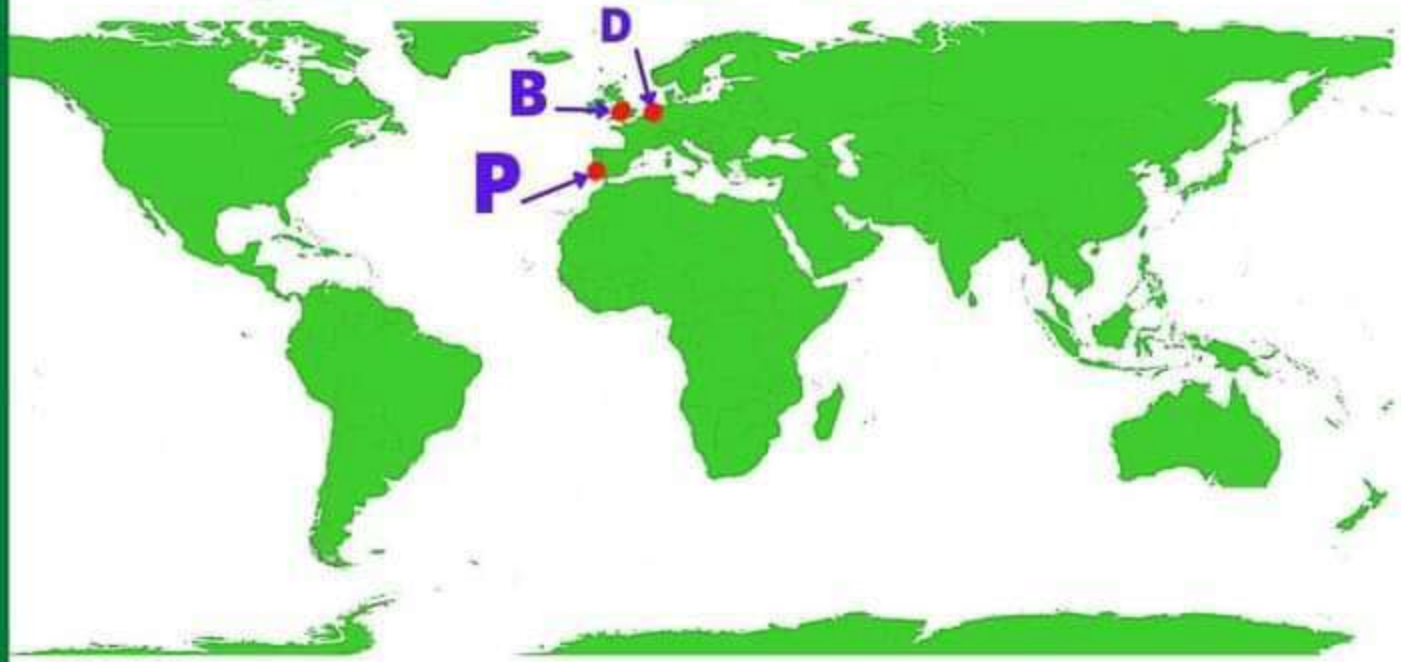

ब्रिटिश / अंग्रेज

☑ डच के बाद आगमन हुआ ,तीसरा यूरोपीय कंपनी

☑ भारत आगमन - **1608** (सूरत)

☑ आगमन के समय तत्कालीन भारतीय शासक - जहाँगीर

☑ अंग्रेजी कंपनी की स्थापना - **1600**

☑ कम्पनी स्थापना समय तत्कालीन भारतीय शासक - अकबर

ईस्ट इंडिया कंपनी

➡ स्थापना - **1600**

➡ संस्थापक - एलिजाबेथ प्रथम

➡ मूल नाम - द गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेंट्स ऑफ लंदन , ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज

➡ उपनाम - जॉन कम्पनी

➡ मुख्यालय - लंदन

➡ रॉयल चार्टर - तत्कालीन ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ प्रथम द्वारा व्यापार करने हेतु **15** वर्ष की अनुमति

घटनाक्रम **1600 - 17**

1600 ➡ ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना

1601 ➡ कम्पनी की जहाज से इंडोनेशिया के मसाला द्वीप पहुचे

1603 ➡ एलिजाबेथ प्रथम की मृत्यु

➡ एलिजाबेथ प्रथम की मृत्यु बाद ब्रिटेन का शासक - जेम्स प्रथम

1615 ➡ सर टॉमस रो का जहांगीर के दरबार में आगमन

1632 ➡ गोलकुंडा के शासक द्वारा एक सुनहरा फरमान प्राप्त

- **500** पैगोडा वार्षिक कर देकर व्यापार करने की अनुमति मिली

1639 ➡ फ्रांसिस डे ने चंद्रगिरी के राजा से मद्रास मिल गया
- वहां एक किला बंद कोठी बनाई
- जिसे फोर्ट सेंट जॉर्ज नाम दिया

1651 ➡ बंगाल के सूबेदार शाहशुजा से हुगली में व्यापारिक कोठी निर्माण करने की अनुमति प्राप्त की

- हुगली में कोठी बनाने के बाद कासिम बाजार और पटना में भी कोठी बनाई जहां पहले डचों का अधिकार था

1658 ➡ औरंगजेब मुगल बादशाह बना

1661 ➡ (कैथरीन + चार्ल्स द्वितीय) की शादी

पुर्तगाल की राजकुमारी — ब्रिटेन के राजा

- पुर्तगाल ने इंग्लैंड के राजा को दहेज के रूप में मुंबई को दिया
- चार्ल्स द्वितीय ने बम्बई को **1668** में कंपनी ब्रिटिश कंपनी से **10** पाउंड वार्षिक किराया पर दिया

- अंग्रेज बंबई प्राप्त करने के बाद वहां पर मुंबई शहर और एक बंदरगाह बसाया

- अभी तक मद्रास और मुंबई दो बड़े जगह पर अंग्रेजों का कब्जा हो चुका था अब केवल एक बड़ी जगह कोलकाता (बंगाल) बाकी था

1680 ➡ औरंगजेब ने सभी कंपनियों पर **15 %** जजिया कर लगा दिया

- अंग्रेज इस कर से नाराज होकर बंगाल के क्षेत्रों में कासिम बाजार , हुगली के क्षेत्रों में लूटपाट शुरू कर दी
- इसमें अंग्रेजों और मुगलों के बीच झड़प हुई
- जब इस बात की खबर औरंगजेब को चली तो
- औरंगजेब **1686** में अपने सैनिकों को भेजकर अंग्रेजों को वहां से खदेड़ दिया और अंग्रेज फुल्टा नामक द्वीप पर जा बसे ।

- इन सभी घटना के बाद एक अंग्रेज व्यक्ति जॉब चरनॉक औरंगजेब से क्षमा मांगी और फिर से ऐसी गलती नहीं करने की शपथ ली ।
- औरंगजेब ने डेढ़ लाख रुपया जुर्माना लेकर उसको माफ कर दिया और फिर से अंग्रेजों की व्यापार शुरू हो गई

1698 ➡ अंग्रेजों को बंगाल की सूबेदार अजीमुन्शान से **3** गांव की जमीदारी प्राप्त

Add a heading

1. कलिकता
2. गोविंदपुर
3. सुतानाती

} आधुनिक कलकत्ता

1700 ➡ जॉब चारनाक ने इसे विकासेत कर कलकत्ता का रूप दिया ।

- कलकत्ता में एक किला बनाकर किलाबंदी किया जिसका नाम फोर्ट विलियम दिया
- इस किला का अध्यक्ष चार्ल्स आयर थे
- कलकत्ता **1674 - 1911** तक ब्रिटिश की राजधानी बनी

➡अंग्रेजों द्वारा स्थापित तीन प्रेसिडेंसी

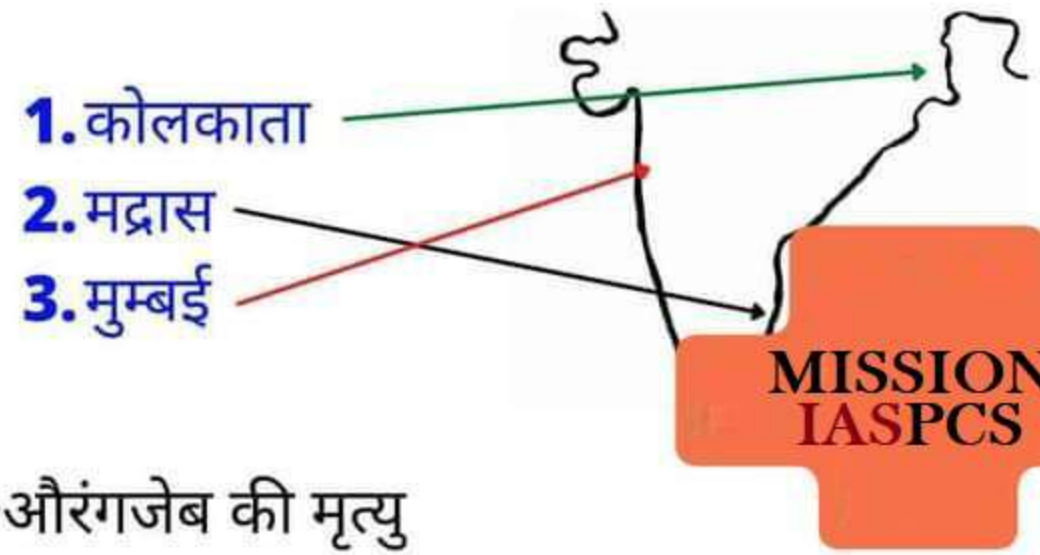

1707 ➡औरंगजेब की मृत्यु

1713 ➡ फर्रूखसियर मुगल बादशाह बना

1715 में इसके दरबार में एक अंग्रेजी दूतमंडल आया

1. जॉन सरमन (अध्यक्ष)
2. विलियम हैमिल्टन (डॉ.)
3. ख्वाजा सेखुर्द

1717 ➡ फर्रूखसियर द्वारा घोषणा पत्र
:- कंपनी का मैग्नाकार्टा

- **3000** रुपया देकर बंगाल,बिहार,उड़ीसा में कर् मुक्त व्यापार
- **1000** रुपया देकर सूरत पर कर मुक्त व्यापार
- मुंबई के टकसाल के चांदी और तांबे के सिक्के की मान्यता प्राप्त

- **1757** प्लासी का युद्ध
- **1759** वेदरा युद्ध
- **1765** बक्सर का युद्ध

डेन / डेनिश / डेनमार्क

➡ अंग्रेजों के बाद डेन भारत आया

➡ भारत आगमन -**1616**

➡ त्रावणकोर (तंजौर जिला) प्रथम फैक्ट्री की स्थापना- **1620**

➡ श्रीरामपुर बंगाल दूसरी फैक्ट्री की स्थापना- **1676**

1745 उन्होंने अपनी सभी फैक्ट्रियां ब्रिटिश कंपनी को बेच दी और भारत से चले गए

MISSION
IAS PCS

Daily
Current Affairs

IASTV
YouTube
Channel

Current Affairs
Magazine

सत्यमेव जयते

Test Paper

Study Material

Important Book

https://t.me/iaspcsexam